भारत के माननीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी व राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी, अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. मृत्युंजय।

यहाँ आध्यात्मिक प्रकंपन... पेज 1 का शेष... राष्ट्र की रक्षा केवल शस्त्र से नहीं होती है बल्कि यह होती है चेतना, चरित्र और चैतन्यता से। इसके लिए आध्यात्मिकता और योग सबसे बड़ा साधन है। यह अभियान महत्वपूर्ण इसलिए भी है कि हम अपने सैनिकों को केवल शस्त्रधारी ही नहीं पर शास्त्रधारी भी बना सकें। लड़ाई के साथ उन्हें आत्मबल के लिए भी तैयार कर सकें।

भारत के माननीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत करते हुए अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी।

### पहले अपने भीतर के भय को हराना होगा

समय की ज़रूरत है कि चाहे आप नागरिक हों या सैनिक हों, उनके पास आध्यात्मिक शक्ति होनी चाहिए। अध्यात्म, तनाव, चिंता और भावनात्मक उथल-पुथल से निपटने में मदद करेगा। बाहरी दुनिया को जीतने के पहले भीतर के भय को हराना भी ज़रूरी है। ऐसी स्थिति में योग, ध्यान और अध्यात्म की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। आत्मिक बल हमें अंदर से सशक्त और मजबूत बनाता है। राजस्थान का कण-कण महाराणा प्रताप के शौर्य से वाकिफ है। महाराणा ने घास की रोटी खाना स्वीकार किया, लेकिन कभी अपने स्वाभिमान के आगे नहीं झुके।

### राजयोग से मनोविकार हो जाते हैं दूर

अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने कहा कि सेना का त्याग और अनुशासन का जीवन होता है। आप सभी की बदौलत हम सुरक्षित रहते हैं। हर एक व्यक्ति के अंदर एक दिव्य ज्योति है। जब हम उसे पहचान लेते हैं तो आत्मा में दिव्य शक्तियां आ जाती हैं। राजयोग से मनोविकार दूर हो जाते हैं और मन शक्तिशाली बन जाता है। राजयोग का अभ्यास धर्म की सीमाओं से परे है। इससे हमारी निर्णय शक्ति बढ़ती है। संस्था के अतिरिक्त महासचिव डॉ. मृत्युंजय भाई ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

भारत के माननीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को सुरक्षा प्रभाग का मोमेन्टो भेंट करते हुए सुरक्षा प्रभाग की उपाध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी व ब्र.कु. शिव।

### हवाई पट्टी पर किया स्वागत

रक्षामंत्री के मानपुर हवाई पट्टी पहुंचने पर जिला प्रशासन की ओर से कलेक्टर अल्पा चौधरी, पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार, जिले के प्रभारी मंत्री केके विश्नोई, राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, सांसद लुंबाराम चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष रक्षा भंडारी, रिटायर्ड वाइस एडमिरल इंडियन नेवी सतीश घोरमड़े, ब्र.कु. डॉ. सविता दीदी व अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

# आत्मिक शक्ति बढ़ायेंगे तो लाइफ इज़ी रहेगी

**रायपुर-छ.ग.।** ब्रह्माकुमारीज़ के शान्ति सरोवर रिट्रीट सेंटर रायपुर में रूहानी सिंधी सम्मेलन का आयोजन किया गया। स्वस्थ और प्रगतिशील समाज के निर्माण में सिंधी समुदाय की भूमिका विषय पर सिंधी समाज के संतों के अलावा अनेक वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखे। ब्र.कु. पुष्पा,मुम्बई,उल्लासनगर ने अपने सम्बोधन में कहा कि सिंधी समाज ने देश के विभाजन के बाद स्वयं को पुनर्स्थापित किया है। सिंधी समाज में प्रमुख 4 प्रकार की विशेषताएं देखी जाती हैं:- 1. व्यापार, 2. श्रम, 3. सेवा भाव, 4. दान पुण्य। समाज में धन और वैभव की वृद्धि तो हुई लेकिन आंतरिक शक्ति कमज़ोर हुई। जिसके कारण कई सामाजिक समस्याएं भी बढ़ती गई। इससे निजात पाने के लिए हमें

आंतरिक शक्ति को बढ़ाना होगा। विधायक अशोक रोहाणी,जबलपुर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के माउंट आबू के भिन्न-भिन्न स्थानों पर नेता व अभिनेता आते हैं, तो बोलते हैं आपके यहाँ दादियों व दीदियों का चेहरा चमकता रहता है। यहाँ जो आध्यात्मिकता सिखाई जाती है उससे चेहरे में रूहानियत बढ़ती जाती है। मैं सबसे आग्रह करता हूँ एक बार माउंट आबू अवश्य जायें, परमात्म अनुभूति अवश्य करें। राजयोगिनी ब्र.कु. हेमा दीदी, ब्र.कु. आशा बहन, ब्र.कु. सविता बहन, संत युधिष्ठिर लाल, परमानंद परमहंस सहित सिंधी समाज के अतिथियों ने भी अपने प्रेरणादायी विचार रखे व बड़ी संख्या में सिंधी समुदाय के भाई-बहनें उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन प्रभु स्मृति के साथ हुआ।

## विश्व शान्ति और एकता में मीडिया की भूमिका पर सेमिनार में गहन मंथन

# मीडिया वालों के लिए ज़रूरी मेडिटेशन का अभ्यास

**नरेला-दिल्ली।** 'विश्व शान्ति एवं एकता हेतु मीडिया व आध्यात्मिकता की भूमिका' विषय पर नरेला की संजय कॉलोनी में एक विचारोत्तेजक सेमिनार में मीडिया और आध्यात्मिकता के क्षेत्र से जुड़े कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और विश्व शान्ति के लिए सकारात्मक मीडिया की भूमिका पर गहन चर्चा की। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन व छोटे बच्चों के नृत्य के साथ हुआ। जिसके बाद स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. गीता बहन ने सभी अतिथियों और मीडिया से और प्रभावशाली खबरें प्रस्तुत करने में मदद करेगा। दिल्ली मंडल की केन्द्र प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. सुनीता ने बताया कि आज के समय में विश्व में अशान्ति और तनाव बढ़ रहा है। राजयोग मेडिटेशन एकमात्र उपाय है तनाव कम करने का। सेमिनार में शामिल प्रतिभागियों ने इस आयोजन की सराहना की। एक स्वतंत्र पत्रकार ने कहा कि यह सेमिनार हमारे लिए बहुत प्रेरणादायी रहा। हमने यहाँ से यह सीखा कि कैसे आध्यात्मिकता के साथ जुड़कर हम अपनी पत्रकारिता को और

जुड़े लोगों का पटका पहनाकर, पुष्पगुच्छ व प्रतीक चिन्ह भेंट कर हार्दिक स्वागत किया। प्रोफेसर डॉ. प्रदीप माथुर ने अपनी प्रेरणादायी बातें साझा करते हुए कहा कि मीडिया आज समाज का दर्पण है। यदि हम विश्व में शान्ति और एकता लाना चाहते हैं तो मीडिया को सकारात्मकता और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना होगा। माउंट आबू से आये ओमशान्ति मीडिया के मुख्य संपादक राजयोगी ब्र.कु. गंगाधर ने कहा कि पवित्रता और सेवा भाव पत्रकारिता का आधार है। जैसे हम अपने मोबाइल को चार्ज करते हैं, उसी तरह अपने मन को सुव्यवस्थित, सशक्त और मजबूत बनाने के लिए मेडिटेशन ज़रूरी है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी ब्र.कु. सुशांत ने कहा कि आध्यात्मिकता और राजयोग के अभ्यास से पत्रकारों को मानसिक शान्ति और संतुलन मिल सकता है, जो उन्हें सकारात्मक सकारात्मक बना सकते हैं। एक अन्य प्रतिभागी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ का यह प्रयास सराहनीय है। यह हमें समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी याद दिलाता है। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

# ब्रह्माकुमारीज़ बारडोली के डायमण्ड जुबली महोत्सव निमित्त राजयोगी युवा सम्मेलन का आयोजन

**बारडोली-गुज.।** बारडोली धामदौड़ रोड स्थित बिठ्ठल वाड़ी में आयोजित महोत्सव पर सैकड़ों तपस्वी युवाओं ने शिरकत की। मुख्य रूप से युवा वर्ग में अपार क्षमता होने के बावजूद भी जीवन में संघर्ष और तनाव अनुभव कर रहे हैं। ऐसे में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान समाज के युवकों के अन्दर श्रेष्ठ शिक्षा प्रदान कर रहा है। संस्था से जुड़े लाखों युवक राजयोग का अभ्यास करते व परिवार समाज के बीच रहकर, आध्यात्मिक ज्ञान अपने जीवन में अपनाकर सम्मानपूर्वक जीवन जी रहे हैं। अपनी दिव्यता और त्याग-तप की शक्ति से जीवन को सुगन्धित कर एक मिसाल कायम की

है। तपस्वी कुमार-कुमारी के सम्मान समारोह का भव्य एवं दिव्य कार्यक्रम में बारडोली एवं वलसाड उपक्षेत्रीय 50 सेवाकेन्द्र के युवक-युवतियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी, महिला प्रभाग की संयोजिका राजयोगिनी ब्र.कु. शारदा दीदी, अहमदाबाद, वलसाड उपक्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. रंजन दीदी तथा डॉ. व्योम पाठक, डॉ. मलिन पारक, नितेश शाह आदि शहर के गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में से अनेक महानुभावों ने अपने प्रेरणादायी सम्बोधन से संबोधित किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई और मनभावन दिव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में युवाओं ने प्रस्तुति देकर दिव्य बनाया।